Skill Development Programme

For Answer Writing

Economy (Model Answer)

DATE : 28 Sep, 2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- न्यू इकोनॉमिक पॉलिसी से आप क्या समझते हैं? इस प्रक्रिया के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था में किए गए सुधारों को स्पष्ट करें। (250 शब्द, 15 अंक)

What do you understand by New Economic Policy. Elucidate the reforms done in Indian Economy through this process. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

वर्ष 1991 में अपनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत द्वारा जिस आर्थिक सुधार की नीति का पालन किया गया उसे न्यू इकोनोमिक पॉलिसी या उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण के नाम से जाना जाता है।

इस सुधार के द्वारा भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था का उदारीकरण तथा भारत की अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया गया, जिसमें भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था में किए गए निम्न सुधारों को देखा जा सकता है।

- संरचनात्मक सुधार के अन्तर्गत देश के अंदर सार्वजनिक निजी भागीदारी को बढ़ाकर अवसंरचना निर्माण के साथ अन्य क्षेत्रों में भी कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का उत्पादन किया गया, जिससे देश में प्रतिस्पर्धा व चयन की स्वतंत्रता बढ़ गई।
- लाइसेंसिंग व्यवस्था में उदारीकरण के द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में विकास तथा उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया।
- वित्तीय क्षेत्र में सुधार, जिसके तहत स्टॉक एक्सचेंज तथा विदेशी मुद्रा बाजार जैसी संस्थाओं में सुधार किया गया तथा बैंकों को एक निश्चित मात्रा में तरलता अनुपात रखना निर्धारित किया गया।
- कर सुधार के तहत कर की अपवंचना रोकने के लिए प्रत्यक्ष आय पर लगने वाले करों की दरों को निरंतर कम किया गया, जिससे लोग अपनी आय का खुलासा तथा कर से संबंधित नियम पालन को प्रोत्साहित हुए।
- भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने तथा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए लाइसेंस व्यवस्था, मात्रात्मक प्रतिबंध इत्यादि में भी सुधार किया गया।
- व्यापार और निवेश नीति सुधार के द्वारा स्थानीय उद्योगों की कार्यकुशलता में सुधार के साथ आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- निजीकरण के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के स्वामित्व तथा प्रबंध को कम किया गया तथा विनिवेशीकरण को बढ़ावा दिया गया तथा सरकार द्वारा सार्वजनिक उपक्रमों का प्रबंधकीय निर्णय में स्वयत्ता के साथ कार्यकुशलता में सुधार हेतु महारत्न, नवरत्न तथा लघु रत्न जैसे विशेष दर्जा दिया गया, इत्यादि।

अंत में संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें।

* * *